इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012–13)

बी० ए० द्वितीय भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी० ए० द्वितीय भाग

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास

व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व का इतिहास (1453–1789)

(यह प्रश्नपत्र सभी विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : यूरोप में आधुनिक युग का प्रारम्भ

1. यूरोप में आधुनिक युगी विशेषताएँ। यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय। पुनर्जागरण : तात्पर्य; कारण; वह इटली में प्रारम्भ क्यों हुआ।
2. क्ला, साहित्य, विज्ञान एवम् अन्य क्षेत्रों में पुनर्जागरणकालीन प्रगति। पुनर्जागरण का महत्व।
3. भौगोजिक अन्वेषण एवम् खोजें। वाणिज्यीय क्रान्ति। यूरोप में समुद्रपार व्यापार का विस्तार।
4. धर्मसुधार आन्दोलन के कारण। लूथर एवम् कॅल्विन के विचार एवम् योगदान। यूरोप में "प्रोटेस्टेण्टवाद" का प्रसार।
5. इंग्लैण्ड में धर्मसुधार (एंग्लिकनवाद)। कैथलिक धर्मसुधार (प्रतिधर्मसुधार) के उद्देश्य एवम् अभिकरण। धर्मसुधार आन्दोलन का महत्व।

इकाई 2 : यूरोप में निरंकुशवाद का युग

1. निरंकुशवाद की विशेषताएं। स्पेन का उत्थान एवम् चार्ल्स पंचम की नीतियाँ तथा उपलब्धियाँ। तीस वर्षीय युद्ध : कारण एवम् चरण।
2. वेस्टेफेलिया की सन्धि एवम् उसका महत्व। नीदरलैण्ड्स का विद्रोह : कारण एवम् महत्व। स्पेन के अवसान के कारक।
3. बोर्बन राजवंश के अधीन फ्रान्स में निरंकुशवाद की स्थापना एवम् विकास (प्रायः 1589 से 1661)। लुई चतुर्दश की नितियाँ एवम् उपलब्धियाँ (1661 से 1715)। फ्रान्स की सर्वोपरिता में चतुर्दश का योगदान।
4. इंग्लैण्ड में ट्यूडर निरंकुशवाद– विशेषताएं एवम् उपलब्धियां। स्टुअर्ट निरंकुशवाद एवम् प्रतिरोध। गौरवमयी क्रान्ति : कारण, परिणाम एवम् महत्व।
5. उसमानी तुर्क साम्राज्य के उत्थान एवम् प्रसार (प्रायः 1453 से 1715) के प्रमुख चरण तथा सुलेमान आलीशान का योगदान।

इकाई 3 : यूरोपीय औपनिवेशिक विस्तार एवं प्रबुद्धता का युग

1. यूरोपीय उपनिवेशवाद के उदय एवम् विस्तार के कारक। लातीनी अमेरिका की प्रमुख पारम्परिक संस्कृतियां तथा स्पेनी विजेताओं द्वारा उनका विनाश। उत्तरी अमेरिका में यूरोपीय प्रतिस्पर्धाएं एवम् औपनिवेशिक प्रसार।
2. यूरोप में प्रबुद्धता का युगः विशेषतांए; प्रमुख विचार एवम् विचारक; महत्व।
3. रूस के उत्कर्ष में पीटर महान एवम् कैथरीन महान का योगदान।
4. "प्रबुद्ध निरंकुशवाद" : प्रतिनिधि प्रबुद्ध निरंकुश शासक एवं उनका कृतित्व; प्रबुद्ध निरंकुश शासक के रूप में प्रशा के फ्रॅडरिक महान की नीतियां एवम् भूमिका।
5. अठारहवीं शताब्दी में (प्रायः 1715 के उपरान्त) यूरोपीय शक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों की विशेषताएं एवम् प्रवृत्तियां। ऑस्ट्रियायी उत्तराधिकार युद्ध एवम् सप्त–वर्षीय युद्ध के कारण एवं परिणाम।

इकाई 4 : पूर्वी विश्व

1. मिंग वंश के अधीन चीन : राजनीतिक विकास; सामाजिक एवम् आर्थिक जीवन; संस्कृति।
2. किंग (चिंग) वंश के अधीन चीन (प्रायः 1800 तक) : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवम् सांस्कृतिक, परिस्थितियां; साम्राज्यीय प्रसार; उदीयमान समस्याएं।

3. तोकूगावा शोगुन–तंत्र (शोगुनेट) के अधीन जापान (प्रायः 1800 तक) : राजनीतिक, प्रशानिक एवम् आर्थिक व्यवस्था; सामाजिक एवम् सांस्कृतिक जीवन।
4. यूरोपीय देशों से चीन एवम् जापान के सम्पर्कों का विकास एवम् विस्तार तथा उसके प्रभाव (प्रायः 1800 तक)।
5. अफ्रीका, दक्षिण एशिया तथा दक्षिण–पूर्व एशिया में प्रारम्भिक यूरोपीय औपनिवेशिक गतिविधियों की मुख्य प्रवृत्तियां।

इकाई 5 : संक्रमण–कालीन विश्व

1. उत्तरी अमेरिका के ब्रिटिश उपनिविेशों का विद्रोह : परिस्थितियाँ एवम् कारण; विद्रोह के प्रमुख चरण एवम् परिणाम; अमेरिका के स्वतंत्रता संग्राम का महत्व।
2. अठारहवीं शताब्दी में फ्रान्स (प्रायः 1715–89) : लुई पंचदश के अधीन फ्रान्स की निरंकुशवादी व्यवस्था का संकट; क्रान्तिकारी परिस्थितियों का विकास (1774–89)।
3. यूरोप मे कृषीय क्रान्ति एवम् उसक प्रभाव। औद्योगिक क्रान्ति की प्रारम्भि परिस्थितियां।
4. उसमानी तुर्क साम्राज्य का संकट (प्रायः 1715–1800) : आन्तरिक कारण; यूरोपीय शक्तियों की भूमिका।
5. 1789 में विश्व।

संस्तुत पुस्तकें:

1. J.M. Roberts : *The Pelican History of the World.*
2. H.G. Wells : *An Outline of World History.*
3. C.J.H. Hayes : *Modern Europe up to 1870.*
4. E.M. Burns and R. Ralph : *World Civilisations.*
5. Robert Ergang : *Europe form the Renaissance to Waterloo*
6. John Merriman : *Modern Europe from the Renaissance to the Present.*
7. K.S. Latourette : *A Short History of the Far East.*
8. John K. Fairbank, Edwin O. Reischauer & Albert M. Craig : *East Asia- Tradition and Transformation.*
9. हीरालाल सिंह : *आधुनिक यूरोप का इतिहास*।
10. एल०बी० वर्मा : *यूरोप का इतिहास (1453–1789)*।
11. पी०एल० विश्वकर्मा : *अर्वाचीन विश्व का इतिहास*।
12. लईक अहमद : *आधुनिक विश्व का इतिहास*।
13. P.H. Clyde & B.F. Beers: The Far East.
14. पी०एच० क्लाइड : *सुदूर पूर्व*।
15. सत्यकेतु विद्यालंकार : *पूर्वी एवं दक्षिण पूर्वी एशिया का आधुनिक इतिहास*।

बी0ए0 द्वितीय भाग (क्रमशः)

द्वितीय (क) प्रश्नपत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1526–1740)

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना

1. बाबर के आगमनप के समय भारत की दशा।
2. जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर के आक्रमण एवं उपलब्धियाँ।
3. नसिरुद्दीन मुहम्मद हूमायूँ : समस्याएँ, पराजय एवं पुनरागमन।
4. द्वितीय अफगान साम्राज्य : शेरशाह की विजयें एवं उलब्धियाँ।
5. सूर वंश का पतन।

इकाई 2 : मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष

1. जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर : राज्यारोहण, समस्याएँ, विजयें, साम्राज्य का पुनर्गठन।
2. जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर : राजपूत, दक्षिण एवं धार्मिक नीतियाँ।
3. नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर : राजपूत, दक्षिण एवं उत्तर–पश्चिमी सीमान्त नीतियाँ, नूरजहाँ का मुगल राजीनति में प्रभाव।
4. शाहजहाँ : राजपूत, दक्षिण, उत्तर–पश्चिमी एवं मध्य एशियाई नीतियाँ, स्वगैयुग की दृष्टि से समीक्षा।
5. मराठों का उत्कर्ष एवं शिवाजी।

इकाई 3 : मुगल साम्राज्य का ह्रास

1. शाहजहाँ के पुत्रों में उत्तराधिकार के युद्ध।
2. मुहीउद्दीन मुहम्मद औरंगजेब : राजपूत एवं धार्मिक नीतियाँ।
3. औरंगजेब की दक्षिणी नीति, विफलता के कारण।
4. उत्तरवर्ती मुगल शासक, नादिरशाह का आक्रमण–परिस्थितियाँ एवं परिणाम।
5. मुगल साम्राज्य के पतन के कारण।

इकाई 4 : प्रशासनिक संस्थाएँ

1. मुगलों का शासन प्रबन्ध– केन्द्रीय, प्रान्तीय व स्थानीय प्रशासन, भूराजस्व व्यवस्था।
2. मनसबदारी प्रथा।
3. शेरशाह का शासन प्रबन्ध।
4. मराठों का शासन प्रबन्ध।
5. मुगलों के अन्तर्गत कृषीय संकट– जाट, सतनामी, सिख एवं बुन्देलों के विद्रोह।

इकाई 5 : मुगलकालीन भारत में समाज एवं संस्कृति

1. मुगलकाल में ऐतिहासिक साहित्य का विकास।
2. गुगल उमरा वर्ग– संरचना एवं राजनीति में भूमिका।
3. मुगल स्थापत्य कला।
4. मुगल चित्रकला।
5. मुगलकाल में समाज : मुख्य तीज त्योहार, स्त्रियों की दशा।

संस्तुत पुस्तकें

1. L.F. Rushbrook Williams : *An Empire Builder of the Sixteenth Century.*
2. R.S. Awasthi : *The Mughal Emperor Humayun*
3. R.P. Tripathi : *Rise and Fall of the Mughal Empire.*
   आर०पी० त्रिपाठी :मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन।
4. Vincent Smith : *Akbar-The Great Mughal*
5. Beni Prasad : *History of Jahagir*
6. B.P. Saxena : *History of Sahjahan of Delhi*
7. K.R. Qanungo : *Sher Shah and his Times*
8. A.B. Pandey : *Later Medieval India.*
   अवध बिहारी पाण्डेय : उत्तर मध्यकालीन भारत।
9. A.L. Srivastava : *The Mughal Empire.*
   आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव : *मुगल साम्राज्य* ।
10. राधेश्याम : *मुगल सम्राट अकबर*
11. G.S. Sardesai : *Main Currents of Maratha History*

बी0ए0 द्वितीय भाग (क्रमशः)

द्वितीय (ख) प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1858–1950)

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : औपनिवेशिक सुदृढ़ीकरण तथा राष्ट्रीय जागृति (1858–1892)

1. 1857 के विद्रोह का उत्तरवर्त : सम्वैधानिक परिवर्तन (1892 तक); प्रशासनिक नीति की नशी दिशाएं तथा सामान्य व न्यायिक प्रशासन एवम् स्थानीय स्वायत्त शासन के विकास का सर्वेक्षण (1919 तक)।
2. साम्राज्यीय नीति (1919 तक) : भारतीय रियासतों के प्रति नीति; सीमान्त नीति–बर्मा, अफगानिस्तान, तिब्बत।
3. नयी सामाजिक धाराएँ : मध्यवर्ग एवम् नवीन अभिजन–वर्गों का उदय; समाज सुधार आन्दोलनों की प्रवृत्तियाँ (1919 तक)।
4. राष्ट्रवाद का उदय : सामाजिक तथा वयावसायिक संगठनों का विकास एवं गतिविधियाँ; संगठनों द्वारा उद्वेलित प्रश्न एवं उनके अभियान।
5. राष्ट्रवाद का उदारवादी चरणः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्भव तथा मृदुवादी धारा (नरमपंथ) के विचार एवम् कार्यक्रम; कांगेस की मांगों पर ब्रिटिश अनुक्रिया (भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 तक)।

इकाई 2 : राष्ट्रीय अभ्युत्थान तथा साम्राज्यीय अनुक्रिया (1892–1919)

1. चरमपंथी राष्ट्रवाद : उग्रवादी धारा (गरम दल) का उदय तथा उसके विचार एवम् कार्यक्रम; स्वदेशी अभियान व 'बंग–बंग' विरोधी आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवम् गतिक्रम तथा 'सूरत विग्रह'।
2. साम्प्रदायिक राजनीति का विकास : साम्प्रदायिक प्रवृत्तियाँ एवम् विवाद (1890 के दशक से); मुस्लिम लीग की स्थापना एवम् कार्यक्रम।
3. राष्ट्रवाद पर ब्रिटिश अनुक्रिया : वाइसरॉय कर्जन की नीतियाँ एवम् कांगेस की प्रति दृष्टिकोण; भारतीय परिषद अधिनियम, 1990 की पृष्ठभूमि, प्रावधान एवम् राष्ट्रवादी आलोचना।
4. युयुत्सु राष्ट्रवाद एवम् साम्राज्यीय अभ्युत्तर : क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद का विकास एवम् गतिक्रम; शासन के समझौतापरक एवम् दमनात्मक उपाय।
5. प्रथम विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रीय आन्दोलन : 'होम रूल' आन्दोलन तथा कांग्रेस–लीग सन्धि, गांधी का आगमन तथा उनके प्रारम्भिक अभियान (रौलट सत्याग्रह तक)।

इकाई 3 : राष्ट्रवाद की प्रगति तथा साम्राज्यीय रणनीति (1919–1935)

1. संवैधानिक परिवर्तन तथा राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर : भारत सरकार अधिनियम, 1919 की पुष्ठभूमि, प्रावधान एवम् राष्ट्रवादी आलोचना; खिलाफत एवम् असहयोग आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवं प्रभाव।
2. असहयोग आन्दोलन का उत्तरवर्त : स्वराज पार्टी के उद्देश्य व कार्य एवम् उसका अवसान, गांधी का 'सृजनात्म कार्यक्रम' तथा सामाजिक योगदान (1948 तक)।
3. सवनिय अवज्ञा का आह्वान : साइमन कमीशन आन्दोलन, नेहरू रिपोर्ट तथा 'गोल मेज' सम्मेलन; सविनय अवज्ञा आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवम गतिक्रम।
4. नवीन प्रवृत्तियाँ : श्रमिक व कृषक आन्दोलन एवम् 'वाम' पक्ष का विकास तथा उनकी भूमिका (1947 तक); क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का पुनरोत्कर्ष तथा राष्ट्रीय आन्दोलन में उसका योगदान।
5. साम्राज्यीय अनुक्रिया : ब्रिटिश सत्ता की राष्ट्रवाद के प्रति रणनीति; तथा भारतीय रियासतों के प्रति नीति, (1919 से) केन्द्रीय, प्रान्तीय व न्यायिक प्रशासन एवम् स्थानीय स्वायत्त शासन का विकास।

इकाई 4 : राष्ट्रवाद का उत्कर्ष तथा साम्राज्यवाद का अवसान (1935–1947)

1. क्रियाशील प्रान्तीय स्वायत्तता : भारत सरकार अधिनियम , 1935 के प्रावधान एवम् उसकी राष्ट्रवादी आलोचना; राष्ट्रवाद के प्रति रणनीति; 1935 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों का कार्य–संचालन।
2. साम्प्रदायिक राजनीति : साम्प्रदायिक का विस्तार (1919 से); मुस्लिम लीग की नीतियां एवम् गतिविधियां (1945 तक)।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रारम्भिक चरण (1939–42) : कांग्रेस मन्त्रिमण्डलों का पदत्याग एवम् कांग्रेस की नीति; 'अगस्त प्रस्ताव' से क्रिप्स मिशन तक ब्रिटिश सत्ता के उपक्रम तथा उनके परिणाम।

4. द्वितीय विश्वयुद्ध का उत्तरवर्ती चरण (1942–45) : भारत छोड़ो आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवम् परिणामराष्ट्रवाद के प्रति रणनीति, आजाद हिन्द फौज की स्थापना, कृतित्व एवम् भूमिका।
5. सत्ता हस्तान्तरण के मार्ग पर : शिमला सम्मेलन तथा कैबिनेट मिशन योजनाराष्ट्रवाद के प्रति रणननीति; कांग्रेस–लीग मतभेद, साम्प्रदायिक उपद्र0, ब्रिटेन विरोधी आन्दोलन तथा भारत से प्रस्थान के ब्रिटिश निर्णय के कारक।

इकाई 5 : स्वाधीनता एवम् उसका उत्तरवर्त तथा पुनरावलोकन

1. आसन्न स्वाधीनता : माउण्टबैटन योजना तथा स्वतन्त्रता का आगमन; रियासतों का एकीकरण।
2. सम्वैधानिक विकास : संविधान सभा का कृतित्व; 1950 के संविधान के प्रमुख विशेषताएं।
3. आर्थिक पुनरावलोकन (1860–1947) : ब्रिटिश आर्थिक नीतियों का सर्वेक्षण; औद्योगिक विकास की प्रमुख विशेषताएं।
4. समाजिक सन्दर्भ (1860–1947) : सामाजिक सुधार की मुख्य प्रवृत्तियाँ; दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों तथा स्त्रियां की दशा एवम् परिस्थिति।
5. स्वातन्त्रयोत्तर परिस्थितियाँ : सामाजिक परिस्थितियाँ; आर्थिक परिस्थितियाँ।

संस्तुत पुस्तकें

1. R.C. Majumdar, H.C. Ray-Chaudhary & K.K. Dutta: *Advanced History of India*.
   आर0सी0 मजूमदार, एच0सी0 राय-चौधुरी व के0के0 दत्त : *भारत का वृहत इतिहास।*
2- A.R. Desai : *The Social Background of Indian Nationalism.*
   ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि।*
3- Sumit Sarkar : *Modern India 1885-1947*.
4. सुमित सरकार : *आधुनिक भारत, 1885–1947।*
5. एस0सी0 सरकार व के0के0 दत्त : *आधुनिक भारत का इतिहास* (खण्ड दो)।
6. Bipan Chandra, Mridula Mukherjee, K. N. Panikkar, Aditya Mukherjee & Sucheta Mahajan : *India's Struggle for Independence*.
   बिपन चन्द्रा, मृदुला मुखर्जी, के0एन0 पणिक्कर, आदित्य मुखर्जी व सुचेता महाजन : *भारत का स्वतंत्रता संघर्ष।*
7. रामलखन शुक्ल : *आधुनिक भारत का इतिहास।*
8. J. Masselos : *Indian Nationalism – An History.*
9. T.G.P. Spear : *The Oxford History of Modern India.*
10. R.C. Majumdar (ed.) : *British Paramountcy and the Indian Reaissance,Parts I & II and Struggle for Freedom* (Vols. IX, X, & XI of the *History and Culture of the Indian People*).
11. B.B. Mishra : *The Administrative History of India.*